रिपोर्ट

हिंदी विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

'कविता कैसे पढ़ें' श्रृंखला के तहत वरिष्ठ कवि श्री लीलाधर मंडलोई का विशेष व्याख्यान

हिंदी विभाग, श्यामलाल कॉलेज द्वारा दिनांक **20 फ़रवरी, 2018** को 'कविता कैसे पढ़ें' विषय पर एक दिवसीय एकल व्याख्यान/संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। वरिष्ठ कवि, भारतीय ज्ञानपीठ के निदेशक, प्रतिष्ठित नया ज्ञानोदय पत्रिका के संपादक श्री लीलाधर मंडलोई इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे। एक बहुत कोमल तान, रात-बिरात, मगर एक आवाज, देखा-अदेखा, क्षमायाचना, लिखे में दुक्ख उनके कविता संग्रह हैं। कॉलेज के प्राचार्य श्री रविनारायण कर ने लीलाधर मंडलोई का स्वागत पुष्प गुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। लीलाधर मंडलोई ने विभाग के विद्यार्थियों के साथ संवाद की शैली में कविता की बारीकियों और उसे पढ़ने के तरीके को लेकर चर्चा की। मंडलोई जी ने कविता के सामाजिक और कला पक्ष में संतुलन की वकालत की और कहा कि न सिर्फ सामाजिकता कविता की कसौटी हो सकती है और न केवल कला ही उसकी कसौटी हो सकती है। अपने वक्तव्य में प्रोफेसर कर ने लीलाधर मंडलोई के कॉलेज आगमन को एक गौरवशाली क्षण बताया और विद्यार्थियों से उनसे प्रेरणा लेने को कहा। विभाग के विद्यार्थियों ने लीलाधर मंडलोई की कुछ कविताओं का पाठ उनके सामने किया और फिर उन्हीं कविताओं का पाठ लीलाधर मंडलोई द्वारा भी किया गया, जिससे विद्यार्थियों को कविता को पढ़ने की बारीकियों का पता चला। बाद में विद्यार्थियों की मांग पर लीलाधर मंडलोई ने अपनी कुछ प्रसिद्ध कविताओं का पाठ भी किया। इस कार्यक्रम का फेसबुक लाइव से भी प्रसारण किया गया और इससे काफी संख्या में अन्य कॉलेजों के शिक्षक भी इस व्याख्यान से जुड़े। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिंदी विभाग के प्रभारी श्री अमिताभ राय ने लीलाधर मंडलोई के वक्तव्य के मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करते हुए हिंदी कविता को उनके अवदान से विद्यार्थियों से परिचित कराया और हिंदी विभाग तथा श्यामलाल कॉलेज की तरफ से उन्हें कॉलेज में पधारने के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विभाग के सभी सदस्य और छात्रों की इस कार्यक्रम में उत्साहजनक उपस्थिति रही। दूसरे विभागों के शिक्षक भी श्री लीलाधर मंडलोई को सुनने के लिए आए। कुल मिलाकर यह आयोजन काफी सफल रहा।

Figure 1 सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की सूचना.

Figure 2 वरिष्ठ कवि, ज्ञानपीठ के निदेशक लीलाधर मंडलोई ने कविता कैसे पढ़ें विषय पर व्याख्यान दिया.